तालिका –1

महाविद्यालय के सम्बन्धित सूचनायें

1.	**महाविद्यालय का नाम एवं पत्राचार का पता**	–	श्री गंगाधर मैठाणी राजकीय महाविद्यालय विद्यापीठ (गुप्तकाशी), जनपद–रूद्रप्रयाग (उत्तराखण्ड) ।
.	(1) **स्थापना का दिनांक**	–	25 जुलाई, 2007
	(2) **प्रथम शैक्षिक सत्र प्रारम्भ होने का वर्ष**	–	2008–09
3.	**राजाज्ञा सं0 एवं दिनांक**	–	902 / जी0एस0 / 184 / सम्बद्धता / 2007, देहरादून, दिनांक 25 जुलाई, 2007.
4.	**दूरभाष सं0 (कोड सहित)**	–	**कार्यालय – (Office –Land line)** – शून्य
			कार्यालय प्रभारी (नाम एवं मोबाइल नं0) – श्री दिलबर सिंह नेगी, प्रशासनिक अधिकारी मो0–9411509242
			प्राचार्य आवास–(Residence –Land line) –
			प्राचार्य मो0 – शून्य
			फैक्स सं0 – शून्य
5.	**ई–मेल आई डी**	–	**महाविद्यालय** – शून्य
			प्राचार्य – psjangwan@gmail.com, principal_agm@rediff.com, college_agm@yahoo.com
6.	**वैब साइट एड्रेस**	–	शून्य
7.	(1) **निदेशालय से महाविद्यालय की दूरी**	–	300 कि0मी0
	(2) **मार्ग के अर्न्तगत पड़ने वाले मुख्य स्टेशन / स्थान**	–	अगस्त्यमुनि, रूद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, गैरसैंण, रानीखेत

महाविद्यालय से सड़क की दूरी –

(1) **महाविद्यालय किस राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highway) अथवा राज्यमार्ग (State Highway) पर स्थित है –** NH-109

(2) राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highway) अथवा राज्यमार्ग (State High way) से महाविद्यालय की दूरी – 1.5 किमी0 (लगभग)

9. महाविद्यालय से निकटतम रेलवे स्टेशन – ऋषिकेश दूरी – 170 कि0मी0

10. विकास खण्ड का नाम – ऊखीमठ विकास खण्ड से दूरी – 15 कि0मी0

11. तहसील का नाम – ऊखीमठ तहसील से दूरी – 15 कि0मी0

12. जिला का नाम – रूद्रप्रयाग मुख्यालय से दूरी – 43 कि0मी0

13. विधान सभा क्षेत्र की संख्या एवं नाम – 07–केदारनाथ विधान सभा

14. समुद्र तल से ऊचॉई (1 मीटर = 3.281 फीट) (1) मीटर में – 1319 मी0
(2) फीट में – 4327.639 फीट

15. स्थापना के समय स्वीकृत शैक्षिक/शिक्षणेत्तर पदों के नाम एवं संख्या –

क0 सं0	सृजित पदनाम एवं पदों की सं0	स्थायी/ अस्थायी	राजाज्ञा सं0 एवं दिनांक जिससे पद सृजित हुआ	राजाज्ञा सं0 एवं दिनांक जिससे पद स्थायी हुआ	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6
1	प्राचार्य – 01	अस्थायी	615(7)xxiv 42(1)2009, दिनांक 16 मार्च, 2010	–	
2	प्रवक्ता – 02	–तदैव–	–तदैव–	–	
3	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष– 01	–तदैव–	–तदैव–	–	
4	प्रवर सहायक – 01	–तदैव–	–तदैव–	–	
5	कनिष्ठ सहायक – 01	–तदैव–	–तदैव–	–	
6	पुस्तकालय लिपिक – 01	–तदैव–	–तदैव–	–	
7	प्रयोगशाला सहायक – 01	–तदैव–	–तदैव–	–	
8	प्रयोगशाला परिचर – 01	–तदैव–	–तदैव–	–	

1	2	3	4	5	6
9	बुक लिफ्टर — 01	स्थायी	615(7)xxiv 42(1)2009, दिनांक 16 मार्च, 2010	—	
10	अनुसेवक — 02	—तदैव—	—तदैव—	—	
11	स्वच्छक / चौकीदार — 02	—तदैव—	—तदैव—	—	

16. **वर्तमान स्थिति 31.03.2014 की स्थितिनुसार स्वीकृत विषय** —

क्र0 सं0	**स्वीकृत विषय**	**राजाज्ञा सं0 एवं दिनांक जिससे विषय में अस्थायी सम्बद्धता प्राप्त हुई**	**राजाज्ञा सं0 एवं दिनांक जिससे विषय में स्थायी सम्बद्धता प्राप्त हुई**	**अभ्युक्ति**
1	**2**	**3**	**4**	**5**
स्नातक स्तर				
1	बी0सी0ए0	राजाज्ञा सं0: 902 / जी0एस0 / 184 / सम्बद्धता / 2007, देहरादून, दिनांक 25 जुलाई, 2007	—	—
2	बी0कॉम0	—तदैव—	—	—

17. **विषय जिनमें स्थाई सम्बद्धता प्राप्त हो चुकी है —** शून्य
(राजाज्ञा संख्या का उल्लेख करें)

18. **विषय जिनमें अस्थाई सम्बद्धता प्राप्त हुई है** ।

स्नातक स्तर — बी0सी0ए0 एवं बी0कॉम0 — राजाज्ञा सं0: 902 / जी0एस0 / 184 / सम्बद्धता / 2007, देहरादून, दिनांक 25 जुलाई, 2007

20. **महाविद्यालय की भूमि —भवन से सम्बन्धित सूचनायें** :— (31.03.2014 की स्थितिनुसार)

(1) महाविद्यालय के पास अपनी भूमि उपलब्ध है अथवा नहीं :— निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, देहरादून को भूमि भवन हस्तान्तरण प्रस्ताव (190 नाली भूमि, 08 पुराने भवन) प्रेषित किये गये हैं । भूमि—भवन हस्तान्तारण निदेशालय / शासन स्तर पर सम्पन्न होनी है ।

(2) यदि भूमि उपलब्ध नहीं है तो भूमि अधिप्राप्ति हेतु महाविद्यालय स्तर पर अद्यतन की गयी कार्यवाही की स्थिति का स्पष्ट उल्लेख करें (31.03.2013 की स्थितिनुसार)
यदि कार्यवाही नहीं की गयी है तो क्यों ?

– राजकीय इण्टरमीडियट कालेज, गुप्तकाशी (रूद्रप्रयाग) के स्वामित्व वाली खाली पड़ी भूमि एवं पुराने भवनों को श्री गंगाधर मैठाणी राजकीय महाविद्यालय विद्यापीठ (गुप्तकाशी) के शिक्षण कक्ष, प्रयोगशाला भवन, छात्रावास भवन, प्राचार्य आवास एवं खेल का मैदान एवं अन्य भूमि को हस्तान्तरित किये जाने का प्रस्ताव निदेशक (विद्यालयी शिक्षा) उत्तराखण्ड देहरादून को अप्रैल 2008 में प्रेषित कर दिया गया था । जिला शिक्षा अधिकारी रूद्रप्रयाग द्वारा निदेशक विद्यालयी शिक्षा (माध्यमिक), उत्तराखण्ड देहरादून को पुनः उक्त प्रस्ताव सम्बन्धी पत्र प्रेषित किया है । (जि0 शि0 अधि0 रूद्रप्रयाग के पत्रांक : नियोजना 5805–09/5ख (1)/12/भवन विविध/2010/11, दिनांक 17 अगस्त, .2010 जो कि आपको भी पृष्ठांकित है) । इस सम्बन्ध में जिला शिक्षा अधिकारी, रूद्रप्रयाग, जिला–रूद्रप्रयाग को पुनः इस कार्यालय के पत्रांक 09/भूमि– भवन(विद्यापीठ)/2012–13 दिनॉक 16 मई, 2012 द्वारा उक्त प्रकरण पर कार्यवाही हेतु पत्र प्रेषित किया गया है। अद्यावधि प्रकरण का निस्तारण नहीं हुआ है।

(3) यदि भूमि उपलब्ध है तो माप – (01हेक्टेअर = 10,000 वर्ग मीटर)
(क) हेक्टेयर में – शून्य
(ख) वर्ग मीटर में– शून्य

(4) महाविद्यालय की शिक्षणेत्तर गतिविधियों हेतु स्थान उपलब्ध है (हॉ/नहीं) – भूमि हस्तान्तरण पर पर्याप्त भूमि उपलब्ध होगी । (अभ्युक्ति)

(5) महाविद्यालय में क्रीडा गतिविधियों हेतु निम्न विवरण अंकित करें:–

(क) उपलब्ध Indoor Games की व्यवस्था – नहीं है ।

(ख) उपलब्ध Outdoor Games की व्यवस्था – नहीं है ।

(ग) क्रीडा गतिविधियों हेतु महाविद्यालय के पास उपलब्ध वैकल्पिक व्यवस्था – नहीं **है** ।

(6) महाविद्यालय में उपलब्ध भवनों का विवरण (31 मार्च, 2014 की स्थिति) –

क्रं0 सं0	भवन निजी है /किराये का किसी संस्था/विभाग द्वारा नि:षुल्क उपलब्ध कराया	यदि निजी है तो स्थायी अथवा अस्थायी टिन षेड आदि	भवन/कक्षों के नाम पृथक–पृथक संख्या लिखें जायं	कक्षों की संख्या	कक्षा का परिमाप (फीट में)
1	2	3	4	5	6
1	महाविद्यालय का भवन निजी है।	स्थायी भवन	विधायक निधि से निर्मित नये शिक्षण कक्ष	03	6.15 x 4.90 मी0 6.15 x 4.90 मी0 6.15 x 4.90 मी0
2	–	अस्थायी टिन शैड	रा0इ0का0 के पुराने टिन शैड	7	6.70 x 7.20 मी0 प्रति शैड

(7) महाविद्यालय की वर्तमान में चल रही निर्माण योजनाओं संबंधी सूचना (लधु, वृहद, अस्थायी आदि) –

क्रंस0	प्रस्तावित/ स्वीकृत निर्माण कार्यो का विवरण	कक्षों की संख्या	कक्षों का आकार	निर्माण प्रस्ताव	लागत स्वीकृत	प्रस्तावित एजेन्सी	अवमुक्त धनराशि	निमार्ण कार्य की भौतिक प्रगति	भवन हस्तान्तरण की स्थिति
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	टिन शैड	–	टिन शेड निर्माण हेतु	–	10 लाख	अधिशासी अभियंता निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग, उखीमठ (रूद्रप्रयाग)	10 लाख	कार्य प्रारम्भ है।	–

निर्माण कार्यों के सम्बन्ध में प्राचार्य की अभ्युक्ति (यदि कोई हो) – शून्य

21. **कम्प्यूटर की सूचना –**

क0स0	उपलब्ध कम्प्यूटर सिस्टमों की संख्या	क्रियाशील कम्प्यूटरों की संख्या	निष्प्रयोज्य कम्प्यूटरों की संख्या	अभ्युक्ति
1	**2**	**3**	**4**	**5**
1	02 (Laptop)	02	शून्य	–

कम्प्यूटर से सम्बधित उपकरणों की सूचना –

क0स0	उपकरण का नाम	उपकरण की संख्या	क्रियाशील	अभ्युक्ति
1	**2**	**3**	**4**	**5**
1	प्रिंटर	02	02	–
2	जनरेटर	01	01	–

22. **प्रोजेक्ट ''शिखर'' से सम्बन्धित सूचनायें**–

(क) कोर्स संचालित करने वाली संस्था का नाम – **शून्य**

(ख) क्या कम्प्यूटर शासन द्वारा उपलब्ध कराये गये हैं – **नहीं**

(ग) उपलब्ध कम्प्यूटरों की संख्या – **शून्य**

(घ) उपलब्ध अन्य उपकरण – **शून्य**

(ड़) विगत पॉच वर्षों में वर्षवार प्रवेशित छात्र–छात्राओं की संख्या (संस्थागत) – **शून्य**

(च़) विगत 3 वर्षों में वर्षवार सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री प्राप्त छात्र/छात्राओं की संख्या – **शून्य**

(छ) कम्प्यूटरों/उपकरणों के रख –रखाव, सॉफ्टवेयर अपग्रेड, विद्युत व्यय, इण्टरनैट आदि – **शून्य**
पर व्यय किसके द्वारा वहन किये जा रहे है। (विगत 05 वर्षों की सूचना) –

(ज) प्रोजेक्ट के सम्बन्ध में प्राचार्य की आख्या – महाविद्यालय में बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम संचालित है शिखर प्रोजेक्ट की आवश्यकता नहीं ।

23. (1) **महाविद्यालय में पेयजल की व्यवस्था :** (है अथवा नही) – नहीं है ।

(2) महाविद्यालय में पानी के संग्रहण (storage) की व्यवस्था का उल्लेख करें – महाविद्यालय में पानी के संग्रहण की कोई व्यवस्था नहीं है । महाविद्यालय भूमि में एक जल स्रोत उपलब्ध है ।

(3) महाविद्यालय में शुद्ध पेयजल हेतु Water Purifier की सुविधा उपलब्ध है अथवा नहीं– सुविधा उपलब्ध नहीं है । स्रोत से पेयजल आपूर्ति ।

24. (1) महाविद्यालय में प्रसाधन की व्यवस्था का उल्लेख करें – राजकीय इण्टरमीडिएट कालेज के पुराने शौचालय की मरम्मत कर व्यवस्था की गई है ।

(2) महाविद्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारी/अधिकारी हेतु पृथक से प्रसाधन सुविधा उपलब्ध है अथवा नहीं : नहीं है ।

25. (1) पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों की संख्या : 361

(2) पुस्तकालय में उपलब्ध संदर्भ ग्रंथों की संख्या : 60

(3) महाविद्यालय में नियमित रूप से मंगाये जा रहे समाचार पत्र/पत्रिकाओं/जरनल/अन्य प्रकाशन के नाम : शून्य

(4) महाविद्यालय में वाचनालय की व्यवस्था है अथवा नहीं : नहीं है ।

(5) वाचनालय में नियमित रूप से उपलब्ध पत्र पत्रिकाओं के नाम : शून्य

(6) पुस्तकालय के कम्प्यूटरीकरण की स्थिति (है अथवा नहीं) : नहीं है ।

26. शासनादेश संख्या .166/XXiV(6)/2010 दिनांक 06 मई, 2010, जिसके द्वारा धूम्रपान प्रतिबन्धित किया गया है, के अनुपालन की स्थिति : अनुपालन किया जा रहा है ।

नोडल अधिकारी का नाम व पदनाम : श्री मनोज गैड़ी, संविदा प्रवक्ता
मोबाइल नं0 : मो0–9719127730

27. रैंगिंग हेतु गठित एन्टी रैंगिंग प्रकोष्ठ के गठन की सूचना : शून्य

नोडल अधिकारी का नाम व पदनाम : श्री मनोज गैड़ी, संविदा प्रवक्ता
मोबाइल नं0 : मो0–9719127730

28. महिला उत्पीडन सेल के गठन की स्थिति: अध्यावधि किसी छात्रा ने महाविद्यालय में प्रवेश नहीं लिया है । महिला प्राध्यापक/कर्मचारी कार्यरत नहीं हैं ।

नोडल अधिकारी का नाम व पदनाम : लागू नहीं ।
मोबाइल नं0 :

29. महाविद्यालय की 2 एफ अथवा 12 बी की स्थिति :–

(क) महाविद्यालय 2 एफ से आच्छादित है : नहीं

(ख) महाविद्यालय 12 बी से आच्छादित है : नहीं

30. नैक प्रकोष्ठ का विवरण–

(1) प्रभारी व सदस्यों के नाम – स्थाई प्राचार्य एवं स्थाई शिक्षकों की नियुक्ति के बाद प्रक्रिया प्रारम्भ की जायेगी ।

(2) क्या नैक से प्रत्यायनित है? – नहीं
यदि हॉ तो cycle I/II प्रथम बार प्रत्यायनित– वर्ष – शून्य द्वितीय बार – शून्य

(3) महाविद्यालय को प्राप्त ग्रेड – लागू नहीं ।

(4) क्या प्रत्यायन/पुनः प्रत्यायन की प्रक्रिया गतिमान है? – लागू नहीं ।
यदि हॉ –

(5) क्या LOI प्रेषित किया है? – लागू नहीं ।
यदि हॉ तो कब? –

(6) LOI स्वीकृति की तिथि – लागू नहीं ।

(7) E_Mail Track ID का नाम – लागू नहीं ।

(8) SSR प्रेषित करने की तिथि – लागू नहीं ।

(9) SSR छः माह में प्रेषित करने की अंतिम तिथि – लागू नहीं ।

(10) क्या IQAC स्थापित है– लागू नहीं ।
यदि हॉ तो कब?

(11) चालू वर्ष में IQAC की बैठकों की संख्या– लागू नहीं ।

(12) क्या चालू वर्ष हेतु IQAC प्रेषित किया गया है – लागू नहीं ।
यदि हॉ तो कब? –
पत्रांक एवं दिनांक–

31. सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत वर्ष 2012–13 में –

(क) पंजीकृत अनुरोधों की संख्या–	:	15
(ख) निस्तारित अनुरोधों की संख्या–	:	15
(ग) लम्बित प्रकरणों की संख्या–	:	शून्य
(घ) मैनुअलों को तैयार किये जाने की अद्यतन स्थिति–	:	तैयार किये गये हैं तथा उपलब्ध है ।

32. महाविद्यालय में प्लेसमेंट सैल की स्थिति :–

(1)	महाविद्यालय में प्लेसमेंट सैल गठित है	:	महाविद्यालय में प्लेसमेंट सैल गठित नहीं है ।
(2)	प्लेसमेंट सैल से विगत वर्ष लाभार्थी छात्रों की संख्या	:	शून्य
(3)	प्लेसमेंट सैल के संबंध में प्राचार्य की आख्या	:	महाविद्यालय में बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम में मात्र एक संविदा शिक्षक कार्यरत है । विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल से सहयोग लिया जाता है ।

33. महाविद्यालय में अग्निशमन यंत्रों की स्थिति :

(1)	अग्निशमन यंत्र लगाये गये है	:	नहीं
(2)	अग्निशमन यंत्रों की संख्या	:	शून्य
(3)	स्थान	:	शून्य ।

34. (1) महाविद्यालय में फिप (FIP) की स्थिति : लागू नहीं ।

(2) फिप (FIP) से लाभान्वित होने वाले प्राध्यापकों की संख्या : शून्य

35. महाविद्यालय में एडुसेट (Edusat) स्थापित है अथवा नहीं : नहीं है ।

यदि हॉ तो वर्तमान में क्रियाशील है अथवा नहीं : लागू नहीं ।

एडुसेट (Edusat) के प्रभारी का नाम, पदनाम व मोबा0 नं0 : –

एडुसेट (Edusat) से सम्बन्धित उपकरणों की स्थिति : लागू नहीं ।

36. महाविद्यालय में छात्रावास की स्थिति : शून्य

37. महाविद्यालय में छात्र कुर्सी एवं मेज की संख्या : कुर्सी –58 (राइटिंग प्लेट सहित), मेज– शून्य

38. AISHE की सूचना : शून्य

नोडल अधिकारी का नामः	–	श्री मनोज गैड़ी,
पदनाम	:	संविदा प्रवक्ता बी0सी0ए0
मोबाईल नं0	:	मो0–9719127730
E-Mail ID	:	

39. शिकायत निवारण प्रकोष्ठ की सूचनाः

प्रभारी का नाम	:	श्री मनोज गैड़ी, संविदा प्रवक्ता
सदस्यों के नाम	:	–

40. महाविद्यालय में आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ की स्थिति : शून्य

प्रभारी का नाम	:	श्री मनोज गैड़ी
पदनाम	:	संविदा प्रवक्ता बी0सी0ए0
मोबाईल नं0	:	मो0–9719127730

41. महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों (संविदा सहित) के नाम से कोई Patent/ copyright) उपलब्ध है, तो उसका विवरण – शून्य

42. 1. महाविद्यालय की संदृष्टि (VISION) : To convert Uttarakhand into a model state which promotes a very high level. of educational attainments for its population, in the field of arts, science and culture, insures every individuals personal development to its full. Potential, vanishes poverty and unemployment through appropriate training in employable skills of all who need them and create an ambience and infrastructure for the growth of centers of excellence in education and research and in the application of science and technology for developments. Higher education ensure opportunity for quality education as well as professional education to all deserving students, to meet the growing demands for educated and skilled personnel for the emerging knowledge economy.

2. महाविद्यालय द्वारा आगामी वर्षों हेतु निर्धारित लक्ष्य (Goal) : To Provide opportunities to the youth for higher education according to the requirements and demand after they have received secondary education, to introduce them to support cultural heritage, promote research oriented development and to start the professional and employment courses along with traditional education. To make uttarakhand as knowledge hub. Development of arts, culture and science will certainly be helpful in the personality social and central development of the youth. It will make an important contribution in the positive development of the state and national information, and technology will have an important role and place in it.